



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
मैन के मास्क	३०-६-२५	६	१-५

• हक्की में 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन
पराली, डंडल व छिलके जैसे अपशिष्ट पदार्थों से बनाए जाएंगे मूल्यवर्धक उत्पाद

मास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया।

यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. बीआर काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंडल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं



कलपति प्रो. बीआर काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइंजीनियरिंग, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव संक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जॉर्जीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं। पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरोट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चैंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि

खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की विज्ञानिक डॉ. कमला मौलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया

गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोत्तरी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हक्की ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व वैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धूते के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नीनक जागरूक	३०-६-२४	५	१-२

हकृति में कृषि अवशेषों जैसे पराली अपशिष्टों से बनेगी जरुरी वस्तुएं



एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लॉट का उद्घाटन
करते हुए। • पीआरओ

जागरण संवाददाता। हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधित गोबर गैस प्लॉट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाइ) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लैब विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके एवं अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। इनमें बायोगैस, बायोइथेनाल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पालिफीनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीआक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं और पालिहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक थैंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नेतोपार्टिकल्स एवं पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न बोजकों का उपयोग किया जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उम्र उजाजा	३०-६-२४	५	७-४

प्रयोगशाला और बायोगैस प्लांट का कुलपति ने किया उद्घाटन



एचएयू में लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

प्रो. कांबोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिसमें कृषि अवशेषों

जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि एचएयू ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मंडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है।

संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	30-6-24	५	५-४

‘बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब’ कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 जून (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में ‘बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला’ व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.बी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।



आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जौ एंट्रीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि

अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला’ के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, बाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है।

इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जौ एंट्रीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि

	<h2 style="text-align: center;">चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय</h2>		
समाचार पत्र का नाम	दैरेस भूमि	दिनांक	पृष्ठ संख्या
		30-6-24	16
			कॉलम 3-8

कुलपति ने किया प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट का किया उद्घाटन

किसानों के लिए वरदान बनेगी अपशिष्ट मूल्यांकन लैब

हरियाणा न्यूज ► हिसार



हिसार। कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमध्यनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधन गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेबोवाई) को वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. कम्बोज ने शनिवार को उद्घाटन अवसर पर बताया कि बायोमध्यनेशन एवं

अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि

अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कृषि अवशेषों जैसे पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं

आक व धूतूरे के पते नी गुणकारी

डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि मूमि की उर्दा शैवित गोबर धूतूरे को कर्जी की पूर्ण करने में जोड़र गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हक्किंग ने गोबर धूतूरा वाले जबला बैंडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके एसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लागत रें जबलु व पैसे की लागत अब डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे धर के अंतर्में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शीघ्रता के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाव जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, कार्बोरेशन ब्यू पोर्टेशन की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से गुमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीत, आक व धूतूरे के पते मिलाकर डालने से खेत में कोई व खीमियों का प्रकोप नहीं रहता।

जिला स्तरीय समारोह आज दिनार। मुख्यमंत्री वाजीर आवास योजना, डॉ. डॉ. आर. अब्दुलकर आवास नवीकारण योजना व विकिन्त प्रेशन योजनाओं के लाभार्थियों को नुन जमीनपर विकास एवं प्रबालिली विश्वविद्यालय के रणनीति लिंग और आपातिक गोबर गैस प्लांट के अवोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम ने दित सहायता के प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। उपर्युक्त प्रदान विद्या ने ज्ञान का 30 जून दोपहर 2 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी के तौर पर स्वास्थ्य एवं नागरिक उद्घाटन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता होंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन् २५	३०-६-२५	६	५-८

उद्घाटन

इकृति के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने प्रयोगशाला एवं बायोगेस प्लांट का किया उद्घाटन

प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों से बनेगी मूल्यवर्धक वस्तुएं

- डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को बनाया सह प्रभारी
- बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी: काम्बोज



किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनोल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जॉ एट्रीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा

किया जाता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

हिसार।
कुलपति
प्रो. बी.आर.
काम्बोज
लैब व
गोबर गैस
प्लांट का
उद्घाटन
करते हुए

उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना

इस लेख में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथनोजन के विकास के लिए अनारोबिक लैब, जैव इंजन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्वेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पॉल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	29.06.2024	--	--

हक्कि में किया प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लाट का उद्घाटन

नम-छोर न्यूज 29 जून

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपात्र प्रो. बीआर काम्योज ने भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में बायोमेथेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला व संशोधन गोबर गैस प्लाट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.बी.बाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।

प्रो. काम्योज ने बायोमेथेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समिद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनैल, बायोडीजल, कम्पोट, जैव सक्रिय गैसिक जैसे पॉलीफैनोल्स जैसे पॉलीमाइक्रोबियल एवं एटीआर्सीडेट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीह-डिसीसीबीट्रॉट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया

जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विशेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनेजन के विकास के लिए अनारोगिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोस्थूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हारित संशोधित नैतोपार्टिकल्स तथा शोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग

किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मालिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महाता को सह प्रभारी बनाया गया है। भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की ऊर्ध्वरा साक्षि में बढ़ोतारी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लाट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हक्कि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लाट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.06.2024	--	--

‘बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब’ कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में भूमिका निभाएगी : प्रो. काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने ‘प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट’ का किया उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में ‘बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला’ व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास बोर्ड द्वारा (आर.के.बी.बाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने ‘बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला’ के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समूह और स्वच्छता के लद्दों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पपटी, ऊंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफोनोस्ट जो एंटीबायोडियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गैस प्लांट का उद्घाटन करते हुए।

पॉलीहाइड्रोक्सील्यूटर का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर विकास के लिए अनारोग्यिक चैंबर, जैव इंधन प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला भलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह-योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य

अधिकारी डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतारी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इकूल ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व वैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा फोटोट्रोक्सी की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धूरे के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

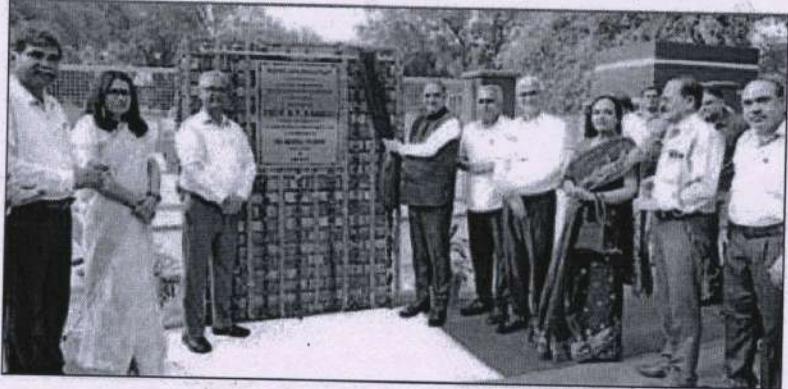
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.06.2024	--	--

हकूमि में 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेरेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेबीवाई) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेरेनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक बस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइंथनोल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जैसे एंट्रीमाइक्रोबियल एवं एंट्रीऑक्सीडेट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटेर का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेरेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चैंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल



संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है। संशोधित गोबर गैस प्लांट को लगाने से जगह व पैसे की लागत अन्य डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। इसे घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शौचालय के साथ जोड़कर गैस की मात्रा व खाद की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है। सलरी में नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश की मात्रा गोबर की अपेक्षा अधिक होती है तथा इसका उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धूतरे के पत्ते मिलाकर डालने से खेत में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	३०-६-२५	५	५-८

बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन लैब कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी : काम्बोज

हिसार, 29 जून (विनेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.बी.वाइ) की वित्तीय सहायता से पुनर्निर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में

कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मूल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथे नॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लैब व गोबर गैस प्लांट का सक्रिय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जो एंटीमाइक्रोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटेरेट का उत्पादन सूक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए



बायोरिएक्टर जैसे उत्तर प्रौद्योगिकी

उद्घाटन करते हुए।

एंटीमाइक्रोबियल एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्ट्री अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है।

इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उत्तरा शक्ति में बढ़ातरी एवं इधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हृत्वि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो तजे गोबर से चलते संशोधित गोबर गैस प्लांट को ले से जाह व पैसे की लागत डिजाइन की अपेक्षा कम आती है। घर के आंगन में भी लगाया जा सकता है। इस प्लांट को शैचालय के जोड़कर गैस की मात्रा व खाद्य गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती सलरी में नइट्रोजन, फास्फोरस औषाध की मात्रा गोबर की अधिक होती है तथा इसका उपकरने से भूमि की गुणवत्ता बढ़ती है। इसमें नीम, आक या धतुरे के मिलाकर डालने से खेत में कीड़े बीमारियों का प्रकोप नहीं रहता। अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी सहित सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग सभी वैज्ञानिक उपस्थित रहे।